आज का मौसम

अधिकतम 33° C
न्यूनतम 27° C
सूर्य अस्त (आज) 7:17
सूर्य उदय (कल) 5:37

दैनिक समाचार पत्र

जीत समाचार

जीत सच्ची खबर की

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश

अनमोल वचन

"दिन-रात अपने दिमाग को, उच्चकोटि के विचारो से भरो। जो फल प्राप्त होगा वह निश्चित ही अदभूत होगा।"

वर्ष : 13 | अंक : 305 | मूल्य : 2 रू | पृष्ठ : 8 | वीरवार 23 जुलाई 2026 | RNI NO : PUNHIN/2013/60106 | www.zeetsamachar.com

संक्षिप्त न्यूज

गुजरात में मेफेड्रोन फैक्ट्री का भंडाफोड़, डीआरआई ने 3 तस्करों को दबोचा

गुजरात(एजेंसी)। राजस्व खुफिया निदेशालय ने गुजरात के अंकलेश्वर में एक आवासीय परिसर से संचालित अवैध मेफेड्रोन ड्रग्स निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान इस नेटवर्क से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में एक किलोग्राम से अधिक मेफेड्रोन, छह किलोग्राम से अधिक नियंत्रित रसायन 2-ब्रोमो-4-मिथाइल प्रोपियोफेनोन, अन्य रसायन तथा अत्याधुनिक उपकरणों से लैस एक पूरी तरह संचालित अवैध प्रयोगशाला बरामद हुई। मामले की जांच जारी है।

चंडीगढ़ में ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी, पारंपरिक चिकित्सा सहयोग पर भारत का जोर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत ने ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता के तहत चंडीगढ़ में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा पर सम्मेलन की सफल मेजबानी की। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में ब्राजील, चीन, भारत, रूस, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात सहित ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में पारंपरिक चिकित्सा से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान और नीतिगत अनुभवों के आदान-प्रदान के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया। भारत ने इस अवसर पर सभी के लिए समग्र, सुलभ और टिकाऊ स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को मंजूरी, छात्राओं को मिलेगी फ्री स्कूटी

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी बढ़ाने और पढ़ाई बीच में छोड़ने की समस्या को कम करने के उद्देश्य से 'रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना' को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना के दिशा-निर्देशों को स्वीकृति दी गई। योजना के तहत मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

नीट पेपर लीक पर संसद में घमासान, सरकार-बनाम विपक्ष आमने-सामने

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर संसद के मानसून सत्र में सियासी टकराव लगातार तेज होता जा रहा है। विपक्ष द्वारा काले कपड़े पहनकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के बीच भारतीय जनता पार्टी ने तीखा पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके दिल भी उनके कपड़ों की तरह काले हैं।

गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार नीट मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन विपक्ष जानबूझकर सदन की कार्यवाही बाधित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बहस का प्रस्ताव रखा, फिर भी विपक्ष चर्चा से बच रहा है और छात्रों की समस्याओं को राजनीतिक मुद्दा बनाकर लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा, 'विपक्ष और कांग्रेस संसद नहीं चलने देना चाहते। सरकार चर्चा चाहती है, लेकिन विपक्ष ने इसे ठुकरा दिया।'

इधर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद लोकतांत्रिक विमर्श का मंच है, न कि राजनीतिक टकराव का। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के कारण संसद का दुरुपयोग कर रहा है।

वहीं केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि नीट पेपर लीक गंभीर मामला है और सरकार इसकी गहन जांच करवा रही है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इस समस्या का समाधान नहीं है।

दूसरी ओर विपक्ष ने बुधवार को भी काले कपड़े पहनकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने नीट-यूजी पेपर लीक, दिल्ली में छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इस बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने दोहराया कि सरकार नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चर्चा का समय और प्रारूप सभी दलों के साथ सहमति बनने के बाद तय किया जाएगा।

फिलहाल नीट विवाद को लेकर संसद में गतिरोध बना हुआ है। एक ओर सरकार चर्चा कराने की बात कह रही है, वहीं विपक्ष शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़ा हुआ है। ऐसे में मानसून सत्र के दौरान इस मुद्दे पर सियासी तनाव जारी रहने के आसार हैं।

उत्तरी मैसेडोनिया में राष्ट्रपति मुर्मु ने किया महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण, कहा- 'गांधी पूरी मानवता के हैं'

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपनी राजकीय यात्रा के दौरान उत्तरी मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे में स्थित संग्रहालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और शांति के संदेश को पूरी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनके विचार आज भी विश्व के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं जितने स्वतंत्रता आंदोलन के समय थे।

सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि ष्महात्मा गांधी भारत के थे, लेकिन सत्य और अहिंसा का उनका संदेश समस्त मानवता का है।ष उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब दुनिया कई क्षेत्रों में संघर्ष, असहिष्णुता और विभाजन जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब गांधीजी के संवाद, करुणा और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के आदर्श वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीजी के विचार सीमाओं और देशों से परे हैं तथा वे पूरी दुनिया को शांति, सद्भाव और मानवता का संदेश देते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्कोप्जे में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा भारत और उत्तरी मैसेडोनिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगी तथा आने वाली पीढ़ियों को गांधीजी के आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की यह राजकीय यात्रा भारत और उत्तरी मैसेडोनिया के द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने के साथ-साथ सांस्कृतिक और ऐतिहासिक साझेदारी को भी मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण दोनों देशों के बीच मित्रता, शांति और साझा मूल्यों का प्रतीक माना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा निर्देश: न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने पर करें विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 61 वर्ष करने की संभावना पर गंभीरता से विचार करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि इस विषय पर संबंधित उच्च न्यायालयों से परामर्श कर उचित निर्णय लिया जाए।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जहयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे, जिला न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष किए जाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे पहले सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष करने के प्रस्ताव पर विचार करें और इस संबंध में अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के उच्च न्यायालयों से परामर्श लेकर निर्णय लें।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि न्यायिक अधिकारियों की सेवा अवधि बढ़ाने का उद्देश्य न्यायपालिका में अनुभवी अधिकारियों की सेवाओं का बेहतर उपयोग करना और न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है। अदालत ने यह भी कहा कि इस विषय पर प्रत्येक राज्य अपने उच्च न्यायालय की राय को ध्यान में रखते हुए निर्णय ले।

गौरतलब है कि वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश 65 वर्ष, जबकि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। वहीं अधिकांश राज्यों में जिला एवं अधीनस्थ न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष निर्धारित है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश के बाद अब राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने-अपने उच्च न्यायालयों के साथ विचार-विमर्श कर न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने के संबंध में निर्णय लेना होगा। यह फैसला न्यायपालिका में अनुभवी अधिकारियों की उपलब्धता और न्यायिक कार्यों की निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जीत सच्ची खबर की
जीत समाचार
www.zeetsamachar.com

सिक्किम सुरंग हादसा: बचाव अभियान में 8 और शव बरामद, मृतकों की संख्या 13 हुई

संवाद न्यूज एजेंसी

गंगटोक/नामची। सिक्किम के नामची जिले के समरदुंग स्थित सुरंग हादसे में राहत और बचाव अभियान के दौरान बुधवार को 8 और शव बरामद किए गए। इसके साथ ही हादसे में अब तक 13 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, सुरंग के भीतर अब भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है और बचाव अभियान लगातार जारी है।

बचाव कार्य में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, सिक्किम पुलिस तथा खनन विशेषज्ञों की संयुक्त टीमें लगी हुई हैं। टीमों ने सुरंग के भीतर जमा पानी को बाहर निकालने का कार्य भी किया, जिससे राहत अभियान को आगे बढ़ाया जा सके।

हालांकि, खराब मौसम, कम दृश्यता और सुरंग के भीतर मीथेन गैस के रिसाव के कारण बचाव कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ा जा रहा है, ताकि बचावकर्मियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे के समय सुरंग में करीब 25 लोग मौजूद थे। कई लोगों की तलाश अब भी जारी है।

घटनास्थल पर सिक्किम सरकार और राष्ट्रीय जलविद्युत निगम के वरिष्ठ अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है।

यह हादसा सिक्किम के हाल के सबसे गंभीर औद्योगिक हादसों में से एक माना जा रहा है। पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है और लोगों की निगाहें बचाव अभियान पर टिकी हुई हैं।

भारतीय नौसेना को मिली नई ताकत, स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस मालवन बेड़े में शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

कर्नाटक। भारतीय नौसेना ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए माहे श्रेणी के दूसरे पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'आईएनएस मालवन' को कर्नाटक के आईएनएस कादंबा नौसैनिक अड्डे पर आयोजित भव्य समारोह में अपने बेड़े में शामिल कर लिया। इस अवसर पर भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समारोह में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग अहफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वत्सयान, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के प्रतिनिधियों, नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी भाग लिया।

आईएनएस मालवन आठ माहे श्रेणी के पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों में दूसरा पोत है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और तकनीक का उपयोग किया गया है, जो भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। भारतीय नौसेना इस वर्ष अब तक सात युद्धपोतों को कमीशन कर चुकी है, जबकि वर्ष के अंत तक लगभग 12 नए युद्धपोतों को नौसेना में शामिल करने की योजना है।

समारोह को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने नौसेना के स्वदेशीकरण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना भी इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है ताकि विमानन क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य जल्द हासिल किया जा सके।

आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस : आईएनएस मालवन अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी हथियारों और रक्षा प्रणालियों से सुसज्जित है। इसमें आरबीयू-6000 रहकेट लहन्चर, दोनों ओर 324 मिमी के तीन-तीन हल्के टहरपीडो टचूब, उन्नत हल्के टहरपीडो, पनडुब्बी रोधी बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमता तथा टहरपीडो डिकोय लहन्चिंग सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा सतह पर युद्ध के लिए 30 मिमी नौसैनिक तोप और दो 12.7 मिमी रिमोट नियंत्रित मशीन गन भी स्थापित हैं।

यह युद्धपोत तीन 6 मेगावाट समुद्री डीजल इंजनों से संचालित होता है और पंप-जेट प्रणोदन प्रणाली से लैस भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा युद्धपोत है। इसकी अधिकतम गति 25 समुद्री मील, परिचालन सीमा 1,800 समुद्री मील तथा बिना रीफ्यूलिंग के लगातार 14 दिनों तक समुद्र में संचालन करने की क्षमता इसे बेहद प्रभावशाली बनाती है।

आईएनएस मालवन के नौसेना में शामिल होने से भारत की समुद्री सुरक्षा, तटीय निगरानी और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता को नई मजबूती मिलेगी। यह युद्धपोत रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती स्वदेशी ताकत और आत्मनिर्भर भारत अभियान की एक और बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

नेपाल में एक सप्ताह के भीतर फिर आया भूकंप, कई इलाकों में महसूस हुए झटके

काठमांडू(एजेंसी)। पश्चिमी नेपाल में बुधवार सुबह 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बाझंग जिले के कोटदेवाल क्षेत्र के पास था। भूकंप के झटके बाजुरा और दार्चुला जिलों में भी महसूस किए गए। फिलहाल जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह भी नेपाल के रुकुम पूर्व जिले में 5.0 तीव्रता का

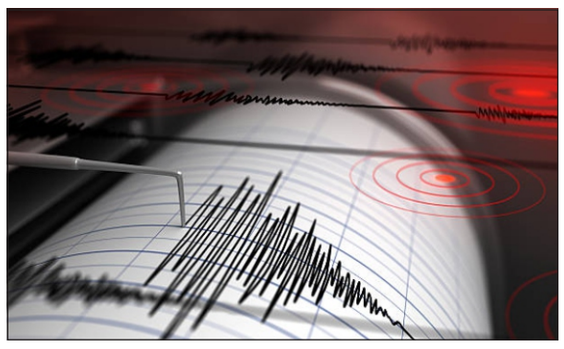

भूकंप दर्ज किया गया था।

अफगानिस्तान के साथ खड़ा भारत, बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत सामग्री रवाना

संवाद न्यूज एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए भारत ने मानवीय पहल करते हुए खाद्य सामग्री और परिवारों के लिए टेंट भेजे हैं। यह राहत सामग्री अफगानिस्तान की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को सौंपी गई है, ताकि प्रभावित परिवारों तक जल्द सहायता पहुंचाई जा सके।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर जानकारी देते हुए कहा कि इस कठिन समय में भारत अफगानिस्तान के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है और हरसंभव मानवीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, नूरिस्तान प्रांत के परून शहर और आसपास के क्षेत्रों में आई बाढ़ में कम से कम 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 80 से अधिक लोग घायल हुए हैं। वहीं 100 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

तालिबान प्रशासन की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि बाढ़ से घर, दुकानें और कृषि भूमि बड़े पैमाने पर नष्ट हुई हैं। विशेषज्ञ टीमों को राहत एवं बचाव कार्य, लापता लोगों की तलाश और नुकसान के आकलन के लिए प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया है। भारी बारिश, दुर्गम पहाड़ी इलाकों और सीमित सड़क संपर्क के कारण राहत एवं बचाव कार्य में कठिनाइयाँ आ रही हैं। अफगानिस्तान जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है, जहां बाढ़, भूस्खलन और सूखे जैसी घटनाएँ अक्सर होती रहती हैं।

भारत-कनाडा सहयोग बढ़ाने पर सहमति, मनीला में जयशंकर की अहम मुलाकात

संवाद न्यूज एजेंसी

मनीला। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने फिलीपींस की राजधानी मनीला में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात कर भारत-कनाडा संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। बैठक के बाद जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते लगातार बेहतर हो रहे हैं और बातचीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी द्वारा तय किए गए साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रही।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अनीता आनंद के साथ उनकी बातचीत बेहद सकारात्मक रही और दोनों देशों के बीच सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी।

अपने दो दिवसीय फिलीपींस दौरे के दौरान जयशंकर ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो से भी अलग-अलग मुलाकात की।

रूस के विदेश मंत्री से बातचीत में उन्होंने भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर भारत की गंभीर चिंता दोहराई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, निवेश, यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

वहीं अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ बैठक में भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, टैरिफ, ऊर्जा, रक्षा एवं सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर फिलहाल आसियान ढांचे के तहत आयोजित बैठकों में भाग लेने के लिए दो दिवसीय फिलीपींस दौरे पर हैं, जहां भारत क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय कूटनीतिक भूमिका निभा रहा है।

संपादकीय दृष्टिकोण : सत्ता की लाठी से युवाओं का हौसला नहीं टूटेगा

एक जीवंत लोकतंत्र की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने देश के युवाओं और छात्रों के प्रति कितनी संवेदनशील है। लेकिन दिल्ली की सड़कों पर जो हुआ, उसने पूरी मानवता और लोकतांत्रिक मूल्यों को तार-तार कर दिया है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन जब कोई सत्ता देश के भविष्य (छात्रों) पर ही लाठियां बरसाने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि शासन व्यवस्था का अंतःकरण मर चुका है।

केंद्र सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि इतिहास गवाह है, जब-जब युवाओं की आवाज को दबाने की कोशिश की गई है, तब-तब सत्ता के सिंहासन डोले हैं। दिल्ली पुलिस ने जो क्रूरता दिखाई है, वह सीधे तौर पर केंद्र सरकार की विफलता और डर को दर्शाती है। श्जीत समाचारश मांग करता है कि इस लाठीचार्ज का आदेश देने वाले उच्च अधिकारियों और दोषी पुलिसकर्मियों को तुरंत सस्पेंड किया जाए और इस पूरे मामले की न्यायिक जांच हो। गृह मंत्रालय को देश के सामने आकर इस बर्बरता के लिए माफी मांगनी चाहिए। हम छात्रों के अधिकारों की इस लड़ाई में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। - कमल पंवार (संपादक, जीत समाचार)

आज की प्रमुख हस्ती

बच्चों में मोबाइल का बढ़ता दुरुपयोग: ज्ञान से अधिक मनोरंजन की ओर बढ़ते कदम

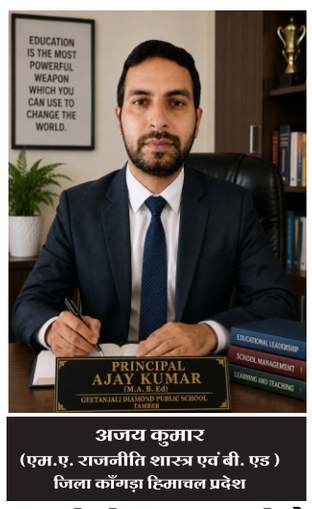

अजय कुमार
(एम.ए. राजनीति शास्त्र एवं बी. एड)
जिला काँगड़ा हिमाचल प्रदेश

आज का युग डिजिटल तकनीक का युग है। मोबाइल फोन ने शिक्षा, संचार और जानकारी प्राप्त करने के अनेक नए अवसर प्रदान किए हैं। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह बच्चों के लिए ज्ञान का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। कोरोना महामारी के दौरान अहनलाइन कक्षाओं और घर से पढ़ाई की आवश्यकता के कारण बच्चों के हाथों में मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरण बड़ी संख्या में पहुँचे। उस समय यह शिक्षा का आवश्यक साधन था, लेकिन महामारी समाप्त होने के बाद भी अनेक बच्चों में मोबाइल के अत्यधिक उपयोग की आदत बनी रही।

आज अधिकांश बच्चे मोबाइल का उपयोग पढ़ाई और सीखने की अपेक्षा मनोरंजन, ऑनलाइन गेम, शॉर्ट वीडियो और सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने के लिए कर रहे हैं। यह स्थिति अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के लिए चिंता का विषय बन चुकी है।मोबाइल का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आँखों की समस्या, नींद में कमी, एकाग्रता में गिरावट और शारीरिक गतिविधियों में कमी जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। कई बच्चे परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने के बजाय आभासी दुनिया में अधिक व्यस्त रहने लगे हैं। इससे उनके व्यवहार, अध्ययन और व्यक्तित्व पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

विडंबना यह है कि जिस मोबाइल में विश्वभर का ज्ञान उपलब्ध है, उसका उपयोग बहुत कम बच्चे सीखने के लिए करते हैं। यदि प्रतिदिन कुछ समय शैक्षिक वीडियो, ई-पुस्तकों, विज्ञान, भाषा, सामान्य ज्ञान और नई तकनीकों को सीखने में लगाया जाए, तो मोबाइल एक उत्कृष्ट शिक्षक बन सकता है। दुर्भाग्य से अधिकांश समय मनोरंजन में ही व्यतीत हो जाता है।

इस समस्या का समाधान केवल बच्चों से अपेक्षा करने से नहीं होगा। अभिभावकों और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम की उचित सीमा तय करनी चाहिए, पढ़ाई, खेल-कूद और पारिवारिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाना चाहिए तथा उन्हें मोबाइल का सकारात्मक और रचनात्मक उपयोग सिखाना चाहिए। साथ ही, बड़े भी स्वयं जिम्मेदारी से मोबाइल का उपयोग कर बच्चों के सामने अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करें।

मोबाइल न तो पूरी तरह अच्छा है और न ही बुरा। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि हम उसका उपयोग किस उद्देश्य से करते हैं। यदि बच्चे मोबाइल को ज्ञान, रचनात्मकता और कौशल विकास का साधन बनाएँ, तो वही तकनीक उनके उज्ज्वल भविष्य का आधार बन सकती है। लेकिन यदि इसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग जारी रहा, तो यह उनके बचपन, शिक्षा और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

आज आवश्यकता मोबाइल छोड़ने की नहीं, बल्कि मोबाइल का सही, संतुलित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग सीखने और सिखाने की है। यही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी है।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर (भारत)

1. आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (पुलिस, फायर, और एंबुलेंस)

112	आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (पुलिस, फायर, और एंबुलेंस)	104	स्वास्थ्य हेल्पलाइन (Health Helpline/Medical Advice)
100	पुलिस (Police)	1915	पर्यटन हेल्पलाइन (Tourist Helpline)
101	फायर ब्रिगेड (Fire Brigade)	1930	साइबर अपराध (Cyber Crime)
102 / 108	एम्बुलेंस सेवा (Ambulance)	139	रेलवे पूछताछ / सुरक्षा (Railway Enquiry / Security)
1091	महिला हेल्पलाइन (Women Helpline)	1363	पर्यटन हेल्पलाइन (Tourist Helpline)
1098	चाइल्ड हेल्पलाइन (Child Helpline)	1033	सड़क दुर्घटना या राष्ट्रीय राजमार्ग आपातकाल (Road Accident / National Highway Emergency)
		14567	बुजुर्ग हेल्पलाइन (Elder Line)
		1551	किसान कॉल सेंटर (Kisan Call Center)
		1906	गैस सिलेंडर (LPG) रिसाव या आपातकाल (LPG Gas Leak / Emergency)

2. राज्य / बिजली बोर्ड हेल्पलाइन नंबर (टोल-फ्री)

राज्य	हेल्पलाइन नंबर (टोल-फ्री)	वैकल्पिक संपर्क नंबर / वेबसाइट
हिमाचल प्रदेश (HPSEBL)	1912	1800-180-8060 | www.hpseb.in
उत्तर प्रदेश (UPPCL / अन्य)	1912	1800-180-8752 | www.uppcl.org
दिल्ली (BSES/TPDDL)	1912	वेबसाइट के माध्यम से चैटबॉट सपोर्ट www.bsesdelhi.com / www.tatapower-ddl.com
पंजाब (PSPCL)	1912	1800-180-1512 | www.pspcl.in
हरियाणा (DHBVN/UHBVN)	1912	1800-180-1833 | www.dhbvn.org.in / www.uhbvn.com
मध्य प्रदेश (MPPKVVCL)	1912	1800-233-1266, WhatsApp: 9425807257 www.mpez.co.in
उत्तराखंड (UPCL)	1912	1800-419-0405 | www.upcl.org

3. राज्यवार जल हेल्पलाइन नंबर

राज्य / विभाग	हेल्पलाइन नंबर	विवरण / वेबसाइट
केंद्रीय / राष्ट्रीय	1800-121-2164	जल जीवन मिशन का टोल-फ्री नंबर | www.jaljeevanmission.gov.in
हिमाचल प्रदेश (स्थानीय)	1800-180-8009, 1100	जल शक्ति विभाग (SNK), शिकायत निवारण केंद्र
दिल्ली	1916	दिल्ली जल बोर्ड (24x7) | www.delhijalboard.nic.in
उत्तर प्रदेश	1076	सीएम हेल्पलाइन (CM Helpline) | www.up.gov.in
बिहार	1800-123-1121	पीएचईडी (PHED) पेयजल शिकायत | www.prdbihar.gov.in
राजस्थान	1800-180-6088	जलदाय विभाग (PHED) | www.jalday.rajasthan.gov.in
मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (सभी राज्य)	181 या 1902	सभी राज्यों की शिकायत और जानकारी के लिए

4. राज्यवार परिवहन (बस) हेल्पलाइन नंबर

राज्य / निगम	हेल्पलाइन नंबर	विवरण / उपयोग
हिमाचल प्रदेश (HRTC)	1100, 1800 180 8185	24/7 हेल्पलाइन, पूछताछ और शिकायत निवारण
दिल्ली (DTC)	011-22968836	आईएसबीटी (ISBT) पूछताछ
उत्तर प्रदेश (UPSRTC)	149, 1800 1800 151	24/7 टोल-फ्री सुविधा
राजस्थान (RSRTC)	181	मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता
चंडीगढ़ (CTU)	1800 274 7400	टोल फ्री नंबर

इन हेल्पलाइन नंबरों को सेव करें और जरूरत पड़ने पर उपयोग करें। यह आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

जीत समाचार
दैनिक समाचार पत्र
जीत सच्ची ख़बर की

मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक : कमल पवार द्वारा 11368, पवित्र नगर, वालिया कालोनी हैबोवाल कलां, लुधियाना से प्रकाशित एंव जीत लुधियाना प्रिंटर्स हैबोवाल लुधियाना से मुद्रित।

सम्पादक : कमल पवार इस अंक मे प्रकाशित एंव समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा उत्पन्न समस्त विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होगे।

R.N.I NO. PUN/HIN/2013/60106

Contact us :- +91-98030-25111.

डीसी अनुपमा अंजली ने नारनौल के ऐतिहासिक स्थलों का किया निरीक्षण, पर्यटन और संरक्षण पर दिया जोर

जीत समाचार ब्यूरों नारनौल। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बुधवार को जिले के प्रसिद्ध ऐतिहासिक धरोहर बीरबल का छत्ता (राय बाल मुकुंद दास का छत्ता) तथा चोर गुंबद का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों स्थलों पर चल रहे संरक्षण, जीर्णोद्धार और स्वच्छता कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि नारनौल अपनी प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। इन धरोहरों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन उद्योग को नई गति प्रदान करेगा।

जीर्णोद्धार कार्य की गुणवत्ता पर विशेष जोर : बीरबल का छत्ता के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वहां चल रहे मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता अश्विनी कुमार को निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

चोर गुंबद में स्वच्छता व्यवस्था सुधारने के निर्देश : इसके बाद उपायुक्त ने चोर गुंबद का दौरा कर वहां की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐतिहासिक स्थलों की पहचान उनकी भव्यता और साफ-सफाई से होती है, इसलिए चोर गुंबद एवं आसपास के क्षेत्र में नियमित और प्रभावी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम अनिरुद्ध यादव सहित लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने उपायुक्त को चल रहे कार्यों की प्रगति से अवगत कराया और तय समय पर कार्य पूरा करने का भरोसा दिलाया।

हांसी में विशेष स्वच्छता अभियान जारी, कई वार्डों में नालियों और सार्वजनिक स्थलों की हुई व्यापक सफाई

जीत समाचार हांसी। डीएमसी एवं एडीसी लक्षित सरीन के मार्गदर्शन में हांसी शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को शहर के वार्ड नंबर 1, 5, 16, 19 और 24 में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान सफाई कर्मचारियों ने गलियों, मुख्य मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, नालियों तथा कूड़ा संग्रहण स्थलों की सफाई की। नालियों से गाद और कचरा निकालकर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाया गया, जबकि सार्वजनिक स्थानों से कूड़ा हटाकर स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया गया। साथ ही कूड़े के वैज्ञानिक एवं समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था भी की गई।

नियमित सफाई पर दिया गया जोर : डीएमसी एवं एडीसी लक्षित सरीन ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाए रखना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी वार्डों में नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि नगर परिषद का लक्ष्य हांसी को प्रदेश के सबसे स्वच्छ और सुंदर शहरों में शामिल करना है।

नागरिकों से सहयोग की अपील : नगर परिषद ने शहरवासियों से अपील की कि वे घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का कूड़ा निर्धारित स्थानों पर ही डालें, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने से बचें। साथ ही सभी नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया गया।

नगर परिषद ने बताया कि आने वाले दिनों में भी शहर के विभिन्न वार्डों में विशेष सफाई अभियान जारी रहेगा, ताकि प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके और हांसी को स्वच्छ, सुंदर एवं आदर्श शहर बनाने का लक्ष्य पूरा किया जा सके।

15 सितंबर तक चलेगा विशेष अभियान, पात्र लाभार्थियों के बनाए जाएंगे आयुष्मान एवं चिरायु कार्ड

जीत समाचार हरियाणा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री चिरायु योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के चिरायु कार्ड बनवाने के उद्देश्य से बुधवार को जिला सचिवालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी प्रतीक्षा सांगवान ने की। इसमें स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में प्रतीक्षा सांगवान ने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार तक आयुष्मान भारत एवं मुख्यमंत्री चिरायु योजना का लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए जिले में 15 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

हर गांव और वार्ड में लगेंगे विशेष शिविर : उन्होंने बताया कि अभियान के तहत शहरी क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक गांव में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

जिला प्रशासन ने अभियान के सफल संचालन के लिए विस्तृत माइक्रो प्लान तैयार किया है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक गांव और वार्ड के लिए अलग-अलग कार्ययोजना बनाई गई है।

कई विभाग मिलकर करेंगे कार्य : प्रतीक्षा सांगवान ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए केवल स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि विकास एवं पंचायत विभाग, स्थानीय शहरी निकाय विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा अन्य संबंधित विभाग भी समन्वय के साथ कार्य करेंगे।

सभी विभाग पात्र नागरिकों को शिविरों तक पहुंचाने और उनके स्वास्थ्य कार्ड बनवाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार : उन्होंने बताया कि जिले में पात्र नागरिकों की सूची तैयार कर ली गई है। यह सूची शीघ्र ही ग्राम पंचायतों के सरपंचों और नगर परिषद के पार्षदों को उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों के पात्र परिवारों से संपर्क कर उन्हें शिविरों में भाग लेने के लिए प्रेरित कर सकें।

अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश : बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शिविरों में सभी तकनीकी एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही अभियान की नियमित समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।

आमजन से की अपील : मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी ने पात्र नागरिकों से अपील की कि जिनका आयुष्मान भारत या मुख्यमंत्री चिरायु योजना का स्वास्थ्य कार्ड अभी तक नहीं बना है, वे अपने क्षेत्र में आयोजित शिविरों में आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचकर कार्ड अवश्य बनवाएं।

उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य कार्ड गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है और प्रत्येक पात्र परिवार को इसका लाभ अवश्य उठाना चाहिए।

जीत सच्ची खबर की
जीत समाचार
www.zeetsamachar.com

डीसी गंधर्वा राठौड़ ने सुजानपुर की पंचायतों में विकास कार्यों का किया निरीक्षण, 'हिम ईरा' फूड वैन का भी लिया जायजा

जीत समाचार ब्यूरों सुजानपुर। जिला उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने बुधवार को विकास खंड सुजानपुर की पंचायतों चबूतरा, बनाल, बढ़ेई, दाड़ला और धमड़ियाना का दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से संवाद कर सुनी समस्याएं : निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पंचायत जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसके लिए सभी विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनरेगा, 15वें वित्त आयोग तथा अन्य योजनाओं के अंतर्गत चल रहे कार्यों की नियमित निगरानी की जाए, ताकि सभी परियोजनाएं समय पर पूर्ण हो सकें।

'हिम ईरा' फूड वैन का किया निरीक्षण : उपायुक्त ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत संचालित 'हिम ईरा' फूड वैन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्टोर में उपलब्ध खाद्य सामग्री के स्टॉक, रखरखाव और वितरण व्यवस्था का अवलोकन किया। साथ ही फूड बैंक में उपलब्ध उत्पादों की गुणवत्ता, साफ-सफाई और अभिलेखों की भी जांच की।

स्वयं सहायता समूहों की सराहना : गंधर्वा राठौड़ ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि एनआरएलएम के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ जरूरतमंद परिवारों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराकर सामाजिक सेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

उन्होंने फूड बैंक में उत्पादों की विविधता बढ़ाने तथा स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त (विकास) एवं खंड विकास अधिकारी तानिया कश्यप, कनिष्ठ अभियंता सुनील कुमार, तकनीकी सहायक, पंचायत सचिव, अन्य विभागीय अधिकारी तथा स्थानीय पंचायत जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

कटासनी में निर्माणाधीन शूटिंग रेंज एवं इंडोर स्टेडियम का लोक निर्माण मंत्री ने किया निरीक्षण

जीत समाचार शिमला। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को शिमला जिले के कटासनी में निर्माणाधीन अत्याधुनिक शूटिंग रेंज एवं इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा और विभिन्न तकनीकी पहलुओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य में तेजी लाई जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

खिलाड़ियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं : विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने विश्वास जताया कि अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित शूटिंग रेंज और इंडोर स्टेडियम के तैयार होने के बाद खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा और वे राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे।

समय पर पूरा करने के निर्देश : मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना को निर्धारित समयावधि के भीतर पूरा किया जाए, ताकि इसका लाभ जल्द से जल्द खिलाड़ियों और स्थानीय युवाओं को मिल सके।

इस अवसर पर प्रशासन, लोक निर्माण विभाग तथा निर्माण कार्य से जुड़े अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन के लिए जिला पुलिस कांगड़ा को मिले आधुनिक राहत एवं बचाव उपकरण

जीत समाचार ब्यूरों धर्मशाला। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, कांगड़ा ने आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला पुलिस कांगड़ा को आधुनिक राहत एवं बचाव उपकरण उपलब्ध कराए हैं। इस पहल से प्राकृतिक आपदाओं, सड़क दुर्घटनाओं तथा अन्य आपात स्थितियों में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को और मजबूती मिलेगी।

डीडीएमए द्वारा उपलब्ध कराए गए उपकरणों में सर्च लाइट, रेस्क्यू रोप, फावड़े, हैंड स्पेड, कुल्हाड़ी, स्ट्रेचर, आयरन डिगिंग रॉड, मेगा फोन, सेफ्टी हेलमेट, हाइड्रोलिक कटरध्चेन सह, गम बूट तथा रेन सूट सहित अन्य आवश्यक राहत एवं बचाव सामग्री शामिल है।

पुलिस अधीक्षक कांगड़ा के निर्देशानुसार ये सभी उपकरण जिले के विभिन्न पुलिस थानों को वितरित कर दिए गए हैं, ताकि किसी भी आपदा या आपातकालीन स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य बिना किसी विलंब के प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकें।

जिला पुलिस का कहना है कि आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता से बचाव कार्यों की गति और दक्षता में वृद्धि होगी, जिससे प्रभावित लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाना और भी आसान होगा।

जिला पुलिस कांगड़ा ने संदेश दिया कि वह सेवा, सुरक्षा एवं आपदा के समय हर पल आपके साथष की भावना के साथ आमजन की सुरक्षा और सहायता के लिए निरंतर तत्पर है।

जयसिंहपुर महाविद्यालय में कानूनी साक्षरता एवं सड़क सुरक्षा पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

जीत समाचार जयसिंहपुर(अभिषेक)। कंवर दुर्गा चंद राजकीय महाविद्यालय, जयसिंहपुर में करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से कानूनी साक्षरता जागरूकता विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सुरेश कुमार मुख्य वक्ता रहे, जबकि कानूनी सलाहकार मीनाक्षी ने भी विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण कानूनी जानकारियां प्रदान कीं।

व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों, नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों, भारतीय संविधान, मौलिक अधिकारों, निःशुल्क कानूनी सहायता, महिला अधिकार, साइबर अपराध, घरेलू हिंसा तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

इस दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों पर भी विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और यातायात संकेतों का सम्मान करने की अपील की। साथ ही, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाने की सलाह दी गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरुण चंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के कानूनी साक्षरता कार्यक्रम विद्यार्थियों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार, अनुशासित और जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कानून का सम्मान करने और यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विकास राणा, प्रो. रविंद्र कुमार, प्रो. सचिन, डॉ. अमृतेश मिश्रा तथा प्रो. अक्षय भी उपस्थित रहे।

आरटीए के भारी चालानों से परेशान व्यापारियों ने परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नाम सौंपा ज्ञपन

जीत समाचार लुधियाना (अरुण कुमार)। लुधियाना स्टील री-रोलिंग मिल एसोसिएशन तथा लुधियाना स्टील ब्रोकर वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने आरटीए लुधियाना और आरटीए पटियाला द्वारा व्यावसायिक वाहनों के कथित भारी चालान काटे जाने और व्यापारियों को परेशान किए जाने के मुद्दे पर पंजाब के परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नाम एक ज्ञापन आतम नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू को सौंपा।

व्यापारियों ने बताया कि उद्योग पहले ही श्रमिकों की कमी, बिजली संबंधी समस्याओं और बाजार में मंदी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में आरटीए अधिकारियों द्वारा व्यावसायिक वाहनों के कथित रूप से भारी चालान काटे जा रहे हैं, जिससे उद्योगपतियों और व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

व्यापारियों का कहना था कि स्टील उद्योग सरकार को करोड़ों रुपये का राजस्व देता है। यदि इसी प्रकार उद्योगों पर दबाव बनाया जाता रहा तो इसका असर व्यापार, रोजगार और सरकारी राजस्व पर भी पड़ सकता है।

ज्ञापन प्राप्त करने के बाद विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि वह परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा से इस विषय पर मुलाकात करेंगे और व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

इस अवसर पर लुधियाना स्टील री-रोलिंग मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, लुधियाना स्टील ब्रोकर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश सोनी, दीपक भाटिया, अतुल गुप्ता, गुरकमल सिंह, कंवलजीत सिंह डंग सहित दोनों संगठनों के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का 57वां स्थापना दिवस: प्रथम सत्र हर्षोल्लास के साथ संपन्न

जीत समाचार शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू), शिमला में 57वें स्थापना दिवस समारोह का प्रथम सत्र गुरुवार को गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री ैनीअपदकमत ैपदही ैनीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. महावीर सिंह ने की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में विधिक अध्ययन संस्थान के नए अकादमिक भवन तथा डिजिटल लाइब्रेरी भवन का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं को उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थी तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर रहा फोकस : सीापना दिवस के प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय की अब तक की उपलब्धियों, भविष्य की विकास योजनाओं तथा शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शोध सुविधाओं और डिजिटल संसाधनों के विस्तार को समय की आवश्यकता बताया।

उत्कृष्टता की ओर बढ़ता विश्वविद्यालय : कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अपनी समृद्ध शैक्षणिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए उत्कृष्टता, नवाचार और ज्ञान आधारित विकास के नए मानक स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पठानकोट-जालंधर हाईवे पर दर्दनाक हादसा: बेकाबू बस की चपेट में आए 4 लोग, 2 की मौतय गुस्साई भीड़ ने बस में लगाई आग

जीत समाचार पठानकोट। पंजाब के पठानकोट-जालंधर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने बस को आग के हवाले कर दिया, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

अनियंत्रित बस ने कई लोगों को रौंदा : जानकारी के अनुसार, जालंधर से जम्मू जा रही लक्ष्मी ट्रैवल्स की बस कौंतरपुर स्थित संदीपनी गुरुकुल स्कूल के पास अचानक अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े लोगों के साथ एक बाइक और एक स्कूटी को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

इलाज के दौरान दो लोगों की मौत : घायलों में रणजीत सिंह (पुत्र दर्शन सिंह) और अरुण कुमार (पुत्र विजय कुमार), निवासी कौंतरपुर, को गंभीर हालत में राज न्यूरो अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, दोनों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अन्य दो घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

हादसे के बाद भड़का लोगों का गुस्सा : दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लोगों ने भागने की कोशिश कर रहे बस चालक को रोकने का प्रयास किया और बस को चारों ओर से घेर लिया। इसके बाद भीड़ ने बस में आग लगा दी, जिससे बस जलकर क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस ने संभाला मोर्चा : घटना की सूचना मिलते ही थाना नंगलभूर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हालात को नियंत्रित किया और यातायात बहाल कराया।

पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटना और बस में आगजनी, दोनों मामलों की अलग-अलग जांच की जा रही है। हादसे के कारणों और आगजनी में शामिल लोगों की पहचान के लिए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

प्रशासन की अपील : प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून अपने हाथ में न लेने की अपील की है। साथ ही दुर्घटना की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया गया है।

वृंदावन पहुंचे विराट कोहली और अनुष्का शर्मा, प्रेमानंद महाराज का लिया आशीर्वादय नंगे पैर चलते दिखा कपल

भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा एक बार फिर अपनी आध्यात्मिक आस्था को लेकर चर्चा में हैं। बुधवार सुबह यह चर्चित दंपति भगवान श्रीकृष्ण की नगरी वृंदावन पहुंचा, जहां उन्होंने प्रेमानंद महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके इस दौरे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

नंगे पैर पहुंचे आश्रम, सादगी ने जीता दिलः वायरल वीडियो में विराट और अनुष्का को राधा केलि कुंज आश्रम के बाहर कड़ी सुरक्षा के बीच देखा जा सकता है। भीड़ और अनावश्यक ध्यान से बचने के लिए दोनों ने चेहरे पर मास्क पहन रखा था।

सबसे अधिक चर्चा उनके सादगीपूर्ण अंदाज की हो रही है। हाथ में प्रसाद लिए दोनों आश्रम के आसपास की कीचड़ भरी गलियों में नंगे पैर चलते दिखाई दिए। अनुष्का शर्मा ने सफेद रंग का साधारण सलवार-सूट पहना था, जबकि विराट कोहली टी-शर्ट और पैंट में बेहद सामान्य लुक में नजर आए। आश्रम परिसर में दर्शन के दौरान उनकी टीम के सदस्य भी उनके साथ मौजूद थे।

विदेश में रहने के बावजूद आध्यात्मिक जुड़ाव कायम : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विराट और अनुष्का अपने बच्चों वामिका और अकाय के साथ इन दिनों लंदन में रह रहे हैं। हालांकि, विदेश में बसने के बाद भी उनका भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ाव बरकरार है। अवसर मिलने पर दोनों वृंदावन आकर प्रेमानंद महाराज के दर्शन करते रहे हैं।

क्रिकेट मैदान से सीधे आध्यात्मिक यात्रा : हाल के दिनों में यह दंपति क्रिकेट मुकाबलों में भी साथ नजर आया था। इसके बाद अब उनका वृंदावन दौरा चर्चा का विषय बना हुआ है। चाहे क्रिकेट स्टेडियम हो या धार्मिक स्थल, विराट और अनुष्का अक्सर अपने सादगीपूर्ण व्यवहार और निजी जीवन को लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित करते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो : वृंदावन की गलियों में नंगे पैर चलते और श्रद्धाभाव से दर्शन करते विराट और अनुष्का के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से साझा किए जा रहे हैं। प्रशंसक उनके इस सरल और आध्यात्मिक रूप की सराहना कर रहे हैं।

सीजीपी प्रदर्शन के दौरान शबाना आजमी की तबीयत बिगड़ी, आंसू गैस के धुएं से आया अस्थमा अटैक

नीट पेपर लीक मामले को लेकर जारी

छात्र विरोध-प्रदर्शनों के बीच वरिष्ठ अभिनेत्री शबाना आजमी की तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस के धुएं की चपेट में आने से उन्हें अस्थमा का दौरा पड़ा। हालांकि, उन्होंने बताया कि समय पर इन्हेलर का इस्तेमाल करने से उनकी स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई।

आंसू गैस के धुएं से बढ़ी सांस लेने में दिक्कत : रिपोर्ट्स के अनुसार, जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के दौरान पुलिस द्वारा आंसू गैस छोड़ी गई। धुएं के कारण शबाना आजमी को सांस लेने में परेशानी हुई और उन्हें अस्थमा का अटैक आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उनकी मदद की।

बताया जा रहा है कि उनके पास इन्हेलर मौजूद था, जिसका उपयोग करने के बाद उनकी तबीयत में सुधार हुआ।

अभिनेत्री ने दिया स्वास्थ्य अपडेट : घटना के बाद शबाना आजमी ने अपनी सेहत को लेकर चिंता जता रहे प्रशंसकों को आश्वस्त किया। उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से अस्थमा की मरीज हैं और आंसू गैस के धुएं के कारण उन्हें अटैक आया था।

उनके अनुसार : मैं लंबे समय से अस्थमा की मरीज हूं। आंसू गैस के धुएं की वजह से मुझे अटैक आया था, लेकिन मेरे पास इन्हेलर था। उसका इस्तेमाल करने के बाद मैं ठीक हूं और अब सुरक्षित हूं।

आराम के बाद फिर प्रदर्शन में लौटीं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्राथमिक उपचार और कुछ देर आराम के बाद शबाना आजमी दोबारा प्रदर्शन स्थल पर लौटीं। उन्होंने घायल छात्रों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।

छात्रों के साहस की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्वक आवाज उठाने वाले युवाओं का हौसला सराहनीय है।

विवादित दावों पर सावधानी : यह घटनाक्रम विभिन्न मीडिया और सोशल मीडिया रिपोर्टों में सामने आया है। संबंधित पक्षों के आधिकारिक बयानों और स्वतंत्र पुष्टि के आधार पर तथ्यों में बदलाव संभव है। इसलिए घटना से जुड़ी जानकारी को उपलब्ध रिपोर्टों के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए।

'आवारापन 2' के म्यूजिक पर अमाल मलिक का बड़ा आरोप, बोले- गाने को फ्लॉप कराने के लिए चलाया जा रहा है 'पेड पीआर'

संगीतकार अमाल मलिक ने अपनी आगामी फिल्म 'आवारापन २' के म्यूजिक को लेकर बड़ा दावा किया है। सोशल मीडिया पर साझा की गई एक लंबी पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म इंडस्ट्री के कुछ लोग उनकी फिल्म और उसके नए गाने 'ये आवारापन' के खिलाफ कथित तौर पर श्पेड पीआरश अभियान चला रहे हैं, ताकि गाने को नकारात्मक प्रचार के जरिए नुकसान पहुंचाया जा सके।

'गाने को निशाना बनाया जा रहा है' : अमाल मलिक ने अपनी पोस्ट में लिखा कि कुछ लोग नहीं चाहते कि फिल्म या उसका संगीत सफल हो। उनके अनुसार, गाने को बदनाम करने के लिए कथित तौर पर काफी पैसा खर्च किया जा रहा है।

उन्होंने लिखा कि यदि इतना पैसा किसी गाने को नीचे दिखाने में खर्च किया जाएगा, तो अपनी फिल्मों के प्रचार के लिए क्या बचेगा। हालांकि, उन्होंने किसी व्यक्ति या संस्था का नाम नहीं लिया और न ही अपने आरोपों के समर्थन में कोई सार्वजनिक सबूत साझा किया।

'आवारापन' के पुराने गानों से तुलना पर दी सफाई : अमाल मलिक ने 2007 में रिलीज हुई फिल्म आवारापन के लोकप्रिय संगीत से हो रही तुलना पर भी अपनी राय रखी।

उन्होंने कहा कि पहली फिल्म के कई गीत पहले से मौजूद स्वतंत्र (इंडिपेंडेंट) ट्रैक थे, जिन्हें बाद में फिल्म के लिए लाइसेंस लेकर नए रूप में प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि वे गायक मुस्तफा जाहिद और उनके संगीत की विरासत का सम्मान करते हैं और उनकी बराबरी करने का दावा नहीं करते।

'संगीत को महसूस किया जाना चाहिए' : अमाल ने कहा कि संगीत की तुलना करने के बजाय उसे महसूस किया जाना चाहिए। उन्होंने माना कि दर्शकों को किसी भी गाने पर अपनी राय देने और उसे पसंद या नापसंद करने का पूरा अधिकार है।

'जनता का प्यार सबसे बड़ी ताकत' : अपनी पोस्ट के अंत में संगीतकार ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया पर चल रहे कथित नकारात्मक अभियान से फर्क नहीं पड़ता। उनका मानना है कि सच्चे मन से बनाया गया संगीत अंततः श्रोताओं तक अपनी जगह बना ही लेता है।

आधिकारिक पुष्टि नहीं: फिलहाल अमाल मलिक द्वारा लगाए गए कथित 'पेड पीआर' अभियान के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित पक्षों की ओर से भी इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में इन दावों को फिलहाल अमाल मलिक के व्यक्तिगत आरोपों के रूप में ही देखा जाना चाहिए।